www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 06 || लखनऊ
सोमवार
06अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:52
सूर्यास्तः 06:26
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 03

विशेष समाचार
- क्या पश्चिम बंगाल विधानसभा... >> पेज 02
- लखनऊ नगर निगम पैनल के... >>पेज 04
- फिल्म रामायण पर चीन के लोगों ने दिया...

ट्रम्प की ईरान को सीधी चेतावनी, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनातनी तेज, 48 घंटे की चेतावनी के बाद युद्ध जैसे हालात

होर्मुज खोलो, वरना हमला तय

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा यानी हमला होगा। ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोले दे, नहीं तो नरक जैसे हालात में पहुंच जाएगा। अमेरिका ने इससे पहले गुरुवार को ईरान की राजधानी तेहरान को कराज शहर से जोड़ने वाले बी1 हाईवे ब्रिज पर हमला किया था। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था करीब 1050 मीटर लंबे और 136 मीटर ऊंचे इस पुल को बनाने में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,800 करोड़) खर्च हुए थे।

धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहते हुए होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर बड़ा हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो उसे नरक बना देंगे। इसके साथ ही उन्होंने ईरान में पावर प्लांट और पुलों पर हमला करने की बात कही। ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होर्मुज खोलने के अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने या समझौता करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि समय खत्म हो रहा है और ऐसा नहीं होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया जाएगा। और इस पर सभी इजराइली खुश हैं। अमेरिकी सैनिकों ने बहुत हिम्मत का काम किया है। नेतन्याहू ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि जब देश मिलकर हिम्मत और मजबूत इरादे से काम करते हैं, तो वे बड़ी मुश्किलों को भी पार कर सकते हैं। इस ऑपरेशन से यह बात फिर साबित होती है कि किसी को पीछे नहीं छोड़ा जाता। ईरान इस स्ट्रेट पर अपनी संप्रभुता की मान्यता चाहता है और जहाजों की आवाजाही को अपने नियंत्रण में लाने की कोशिश कर रहा है अमेरिका के एक F-15 फाइटर जेट को ईरान के ऊपर मार गिराए जाने के 36 घंटे बाद उसके दोनों पायलट को अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने बचा लिया है। शनिवार को स्पेशल कमांडो यूनिट ने दर्जनों लड़ाकू विमानों के साथ ईरान में ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन अंत में अमेरिकी टीम पायलट को सुरक्षित निकालने में सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए।

>> (शेष पेज 04 पर)

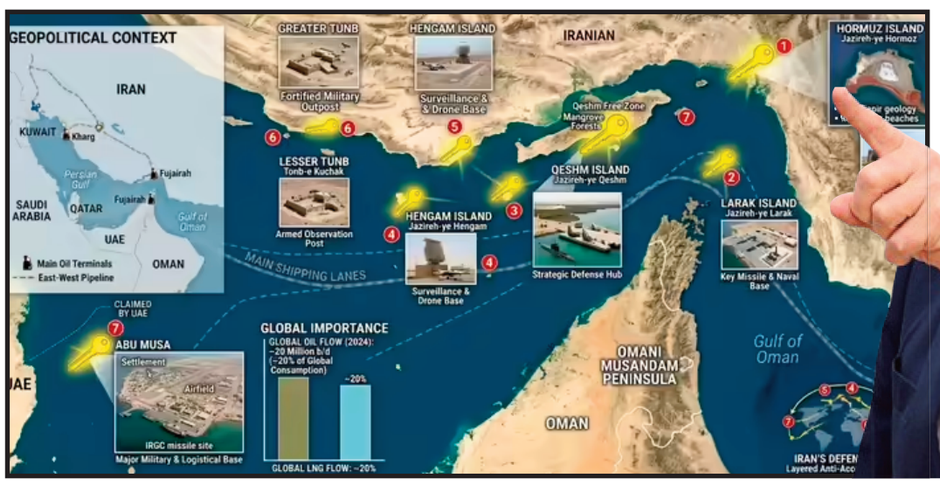

पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाने की बात कही गई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर सीधा हमला कर सकता है।

उन्होंने साफ तौर पर पावर प्लांट और प्रमुख पुलों को निशाना बनाने की बात कही, जिससे देश की ऊर्जा आपूर्ति और परिवहन व्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंच सकता है।

इस बयान के बाद क्षेत्र में तनाव और भी बढ़ गया है।

नेतन्याहू ने अमेरिकी पायलट को बचाने पर ट्रम्प को बधाई दी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान में फंसे अमेरिकी F-15 पायलट को बचाने पर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिकी सेना को बधाई दी। पायलट को सुरक्षित बचाया जाना बड़ी बात है।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ओमान-ईरान ने बातचीत की

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ओमान और ईरान के बीच बातचीत हुई है। दोनों देशों ने इस समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही और नियंत्रण के संभावित विकल्पों पर चर्चा की। ओमान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, शनिवार की बैठक में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने कई प्रस्ताव रखे, जिन पर आगे विचार किया जाएगा।

रिपोर्ट- अमेरिका ने तकनीक चोरी होने के डर से अपने विमान जलाए

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान से एक बचाए गए अमेरिकी एयरमैन और कमांडो को निकालने वाले दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए थे। इसके बाद अमेरिका को तीन नए विमान भेजने पड़े। रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में अमेरिकी सेना ने उन फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को उड़ा दिया, ताकि उनकी तकनीक ईरान के हाथ न लगे। होर्मुज स्ट्रेट की जियोलोकेशन इस बातचीत की मुख्य वजह है। इसका उत्तरी हिस्सा ईरान के नियंत्रण में है, जबकि दक्षिणी हिस्सा ओमान के पास है।

ईंधन संकट से निपटने के लिए नेपाल में 2 दिन की छुट्टी

ईरान युद्ध के चलते पैदा हुए ईंधन संकट के बीच नेपाल सरकार ने सरकारी दफ्तरों में हफ्ते में दो दिन की छुट्टी लागू की है। सरकार के मुताबिक, अब शनिवार और रविवार को सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। इससे पहले केवल शनिवार को छुट्टी होती थी। छुट्टियों के साथ काम के घंटे भी बदल दिए गए हैं। अब सरकारी दफ्तर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेंगे, जबकि पहले यह समय 10 बजे से 5 बजे तक था। सरकार की प्रवक्ता सस्मिता पोखरेल ने बताया कि पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई में बाधा के कारण यह फैसला लिया गया है।

वोटिंग के बाद मशीन बदल सकते हैं, 24 घंटे रखो निगरानी

ईवीएम मशीन पर ममता बनर्जी ने उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में रविवार को जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों (EVM) से छेड़छाड़ का मुद्दा उठाया। ममता ने अपने समर्थकों से कहा, 'सभी ईवीएम मशीनों की अच्छी तरह से जांच करें। बूथ एजेंट्स को भी EVM की अच्छी तरह से जांच करनी चाहिए। मुझे उनकी योजना पता है। वोटिंग के बाद, सीआरपीएफ और केंद्रीय बलों की निगरानी में वे अंदर जा सकते हैं और मशीन बदल सकते हैं, इसलिए हमें 24 घंटे निगरानी रखनी होगी। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि SIR प्रक्रिया का इस्तेमाल मतदाताओं को डराने-धमकाने और उनकी नामें हटाने के लिए किया जा रहा है।

शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनावी मुकाबला

टीएमसी चीफ ने घोषणा की कि भविष्य में किसानों के लिए अलग से बजट लाया जाएगा, जिसे उन्होंने कृषि समुदाय को समर्थन देने का एक अहम कदम बताया। ममता बनर्जी इस बार भाजपा के शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ भवानीपुर सीट से भारी मुकाबले में उतरेंगी। 2011 से भवानीपुर से विधायक रही ममता बनर्जी चौथी बार इस सीट को बचाने की कोशिश करेंगी।

गाजी मियां माफिया था, महाराज सुहेलदेव ने जहन्नुम भेजा : योगी

उसे इस्लाम की सबसे बुरी मौत दी, गर्म तवे पर बांधकर जलाया

- मंच पर छोटी बच्ची ने सीएम योगी के पैर छुए। सीएम ने उसे चॉकलेट दी।
- सीएम योगी ने स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह के दौरान नाटक देखा। तालियां बजाकर कलाकारों का हौसला बढ़ाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 'एक हजार साल पहले जो शौर्य महाराज सुहेलदेव ने दिखाया था, उसे सभी को जानना चाहिए। उन्होंने सोमनाथ मंदिर को तोड़ने वाले विदेशी आक्रांता को सिर्फ रोका ही नहीं, बल्कि ऐसी निर्मम मौत दी कि किसी की दोबारा ऐसा करने की हिम्मत नहीं हुई। सालार मसूद (गाजी मियां) माफिया से कम नहीं था। अभी जो माफिया मिट्टी में मिल गए हैं, उनका ही एक रूप था। उसने हमारे मंदिर तोड़े थे। महाराज सुहेलदेव ने उसे ऐसी मौत दी थी, जो इस्लाम में सबसे खराब मानी जाती है। गर्म लोहे के तवे पर बांधा और जला दिया।' यह बात सीएम योगी ने रविवार को लखनऊ में कही। योगी भारतेंदु नाट्य अकादमी (बीएनए) के स्थापना की स्वर्ण जयंती समारोह पर बोल रहे थे। समारोह 12 अप्रैल तक चलेगा। उन्होंने अकादमी के भवन और दो प्रेक्षागृहों का लोकार्पण किया।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

झारखंड समेत 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। देश के उत्तरी इलाकों में अप्रैल के पहले हफ्ते में तापमान 40°C के आसपास रहता है। कई राज्यों में लू चलती है। दक्षिणी और समुद्र किनारे बसे राज्यों में उमस भरा मौसम रहता है। लेकिन इस बार पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। तटीय राज्यों में बारिश, मैदानी इलाकों में ओले गिर रहे हैं। तापमान भी 35°C से कम या आसपास है।

असम सीएम की पत्नी के 3 पासपोर्ट : हिमंता बिस्व

गुवाहाटी। कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर दोहरी नागरिकता का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि असम सीएम की पत्नी के पास तीन देशों मिस्र, एंटीगुआ-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं। पवन खेड़ा ने कॉन्फ्रेंस में तीन पासपोर्ट भी दिखाए। उन्होंने कहा कि सरमा की राजनीति मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित है, जबकि उनकी पत्नी के पास दो मुस्लिम देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने आगे कहा ही हिमंता की पत्नी 52 हजार करोड़ रुपए की अमेरिकी कंपनी की भी मालिक हैं।

स्कूल बसों का लंदन जैसा हाईटेक नेटवर्क तेलंगाना में

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद का हाईटेक इलाका 'साइबराबाद' अब बड़े बदलाव की दहलीज पर है। अक्सर ट्रैफिक जाम व स्कूल छोड़ते वक्त होने वाली अफरा-तफरी से जूझने वाले इस क्षेत्र के लिए साइबराबाद पुलिस और 'सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल' (एससी-एससी) ने 'लंदन ट्रांसपोर्ट मॉडल' से प्रेरित मास्टरप्लान तैयार किया है।

असम में राहुल ने गिनाई कांग्रेस की पांच गारंटी

सरमा को बताया देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने असम के कामरूप में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे हमले किए। राहुल गांधी ने असम की जनता के लिए न्याय और विकास का नया रोडमैप पेश करते हुए कई बड़ी घोषणाएं भी कीं। राहुल गांधी ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। उनके मुंह से 24 घंटे नफरत और हिंसा की भाषा निकलती है। राहुल ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अब अपने परिवार को भी भ्रष्टाचार में शामिल कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि कानून एक दिन उन्हें जरूर पकड़ेगा और वे जेल जाएंगे। अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी और अमित शाह असम के मुख्यमंत्री को कंट्रोल करते हैं। प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए राहुल ने कहा कि अडानी भाजपा का आर्थिक ढांचा हैं।

टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका : पीएम

एक खास मजहब के लोग, बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे

रैली

तमसा संकेत, एजेंसी

न ई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/कोलकाता/चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा कि TMC के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा। PM मोदी ने कहा- 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था, जिसके बाद हिंदुओं का नरसंहार हुआ था। TMC उसी की याद दिलाना चाहती है। एक खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि TMC शासन में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। कूचबिहार जिले में कुल 9 विधानसभा सीटें हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 6 और TMC ने 3 सीटें जीती थीं। वहीं, कूचबिहार लोकसभा सीट फिलहाल TMC के पास है। बांग्लादेश से सटे होने के कारण यहां NRC और घुसपैठ जैसे मुद्दे प्रभावी रहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 40 नेताओं के नाम शामिल हैं। पीएम के साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और नितिन गडकरी जैसे वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को भी स्टार प्रचारकों में जगह दी गई है।

केरलः अमित शाह बोले- एनडीए का वोट शेयर बढ़ा, अब सरकार बनाएंगे

केरल के कट्टाक्कड़ा में चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस बार राज्य में NDA की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि 2014 में NDA को 11% वोट मिले थे, 2019 के लोकसभा चुनाव में यह बढ़कर 16% हुआ और 2024 में 20% तक पहुंच गया। शाह ने कहा कि इस बार NDA सरकार बनाने जा रही है।

नरेंद्र मोदी की स्पीच की दो बड़ी बातें...

- एक ओर TMC के करप्शन का भय है तो दूसरी तरफ विकास को रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है। एक और TMC के घुसपैठ कराने का भय है तो दूसरी ओर घुसपैठियों को भगाने वाली भाजपा पर भरोसा है।
- तृणमूल कांग्रेस की सरकार में बंगाल की डेमोग्राफी में भयंकर बदलाव आया है। इन घुसपैठियों को TMC का समर्थन है। हमारी सरकार उन्हें चुन-चुनकर बाहर कर रही है।

राहुल गांधी की असम में रैली, दो बड़ी बातें...

- असम के हिमंत भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं, वे सिर्फ नफरत फैलाते हैं। कांग्रेस के सत्ता में आने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हिमंत को माफी मांगने पर भी नहीं बख्शा जाएगा।
- वे इस तरह इसलिए बात करते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' उन्हें जेल में डालने वाले हैं। तब उन्हें असम की जनता और कांग्रेस नेताओं से माफी मांगनी पड़ेगी। कांग्रेस की विचारधारा जुबीन गर्ग जैसी है, जिन्होंने असम के लोगों को एकजुट करने का काम किया।

>> (शेष पेज 04 पर)

बैठक : विपक्ष के समर्थन के सवाल पर कहा- जो हमारी सुनेगा, उसके साथ खड़े रहेंगे

मोहन भागवत शादी कर बच्चे क्यों नहीं पैदा करते : शंकराचार्य

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। 'हमने तो कहा था कि मोहन भागवत और उनके प्रचारक आएं, विवाह करें, बच्चे पैदा करें, जनसंख्या बढ़ाएं। एक तरफ सरकार कह रही है कि जनसंख्या विस्फोट हो रहा। दूसरी तरफ, ये लोग जनसंख्या बढ़ाने की बात करते हैं। अगर संख्या बढ़नी इतनी जरूरी है तो आप शादी करके बच्चे पैदा क्यों नहीं करते। दूसरों पर बोझ क्यों लादते हो। पहले खुद करो, फिर दूसरों से कहो।' शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने रविवार को बरेली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये बातें कहीं। वे RSS प्रमुख के 3 बच्चे पैदा करने वाले बयान से जुड़े सवाल पर जवाब दे रहे थे। दरअसल, भागवत कई बार कह चुके हैं कि हिंदुओं के लिए तीन बच्चे पैदा करना जरूरी हैं। विपक्ष का समर्थन करने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा कि सत्ता पक्ष कहता है कि हम विपक्ष के साथ हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि आप हमारी बात सुनें। गो-माता की रक्षा के लिए कानून बनाएं। हम आपके साथ खड़े हो जाएंगे। मैं पक्ष-विपक्ष किसी के साथ नहीं हूं। जो भी हमारी बात सुनेगा। उसके साथ खड़ा हो जाऊंगा। उन्होंने कहा- भारत शुरू से गुट निरपेक्ष देश रहा है। भारत कभी भी युद्ध में किसी के साथ खड़ा नहीं हुआ। ये पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री जी के मौन के कारण लोगों के मन में ये सवाल उठ रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

पिछले महीने मथुरा दौरे पर भी भागवत ने कहा था- डॉक्टर मानते हैं कि अगर किसी परिवार में तीन संतान होती हैं तो माता-पिता और बच्चों के सेहतमंद होने की संभावना बढ़ जाती है। जैसा कि मानस शास्त्र कहता है कि घर में तीन बच्चे होने पर वे बड़े होकर बेहतर और संतुलित व्यक्तित्व के बनते हैं। आपसी झगड़े-टकराव भी कम होते हैं।

'अमेरिका-इजराइल युद्ध पर विद्वानों को चुप होते देख हैरान हूं'

देवभूमि इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- जब युद्ध होता है तो हमेशा दो पक्ष होते हैं, उसमें एक न्याय और दूसरा अन्याय का होता है। जैसे आज एक पक्ष अमेरिका और इजराइल तो दूसरा ईरान है। आश्चर्य है कि पूरी दुनिया के विद्वान इस मुद्दे पर मौन हैं। ये मानवता के प्रति अपराध है।

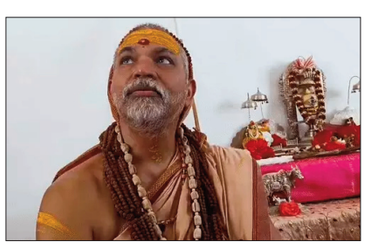

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- भारत कभी भी युद्ध में किसी के साथ खड़ा हुआ नहीं दिखाई दिया। लेकिन इस बार स्पष्ट नहीं हो रहा।

'गो-माता की रक्षा के मुद्दे पर वोट करें'

शंकराचार्य ने कहा कि मैंने सरकार को गो-माता के मुद्दे पर कानून लाने के लिए मोहलत दी थी, मैं विपक्ष के नेताओं से कहूंगा कि गो-माता के मुद्दे पर वोट करने के लिए लोगों को प्रेरित करें।

देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं : केंद्र सरकार

शनिवार को हुई 51 लाख से अधिक सिलिंडरों की डिलीवरी

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को कहा कि 4 अप्रैल (शनिवार) को 51 लाख से अधिक एलपीजी सिलिंडरों की डिलीवरी हुई है और देश में किसी भी वितरक एजेंसी पर गैस की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। मंत्रालय ने कहा कि कुल बुकिंग में ऑनलाइन एलपीजी सिलिंडर की हिस्सेदारी बढ़कर 95 प्रतिशत हो गई है। वितरक स्तर पर हेराफेरी को रोकने के लिए, डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी 90 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो कि मध्य पूर्व में तनाव से पहले फरवरी में 53 प्रतिशत की थी। साथ ही, मंत्रालय ने उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलिंडर बुक करने के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने और आवश्यक होने पर ही वितरकों के पास जाने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को करीब 90,000 पांच किलो वाले छोटे एलपीजी सिलिंडरों की बिक्री की गई है और 23 मार्च से अब तक 6.6 लाख एलपीजी सिलिंडरों की बिक्री हो चुकी है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

स्टालिन का हिंदी विरोध, चुनाव से पहले फिर छेड़ा राग

शा इस पर आश्चर्य नहीं कि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव निकट आते ही मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध का पुराना और विभाजनकारी राग फिर छेड़ दिया। उन्होंने अपना यह पुराना आरोप फिर मढ़ा कि केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति के तहत तमिलनाडु में हिंदी थोपना चाहती है। यह साफ है कि उन्होंने चुनाव के चलते लोगों की भावनाएं भड़काने के लिए हिंदी थोपने के आरोप को जानबूझकर उछाला है। इसे भांपते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहकर उन्हें उचित ही बेनकाब किया कि वे हिंदी थोपने का नैरेटिव अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए कर रहे हैं और जानबूझकर त्रिभाषा फार्मूले की गलत व्याख्या कर रहे हैं। स्टालिन सच में ऐसा ही कर रहे हैं, क्योंकि नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फार्मूले में तो हिंदी को अनिवार्य किया ही नहीं गया। तमिलनाडु में तमिल अस्मिता के नाम पर हिंदी विरोध की जड़ें बहुत पुरानी हैं। चूंकि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से इन जड़ों को जानबूझकर सींचा गया, इसलिए एक समय वहां हिंदी विरोध के नाम पर हिंसा भी हुई। हालांकि समय के साथ तमिलनाडु के लोगों में हिंदी के प्रति विरोध का भाव तिरोहित हो गया है, पर कुछ दल और विशेष रूप से डीएमके उसे संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के चलते रह-रहकर उभारती रहती है। अब यह तमाशा चलने वाला नहीं है, क्योंकि तमिलनाडु के साथ अन्य अहिंदी भाषी राज्यों की जनता हिंदी की सामर्थ्य एवं उसकी उपयोगिता से भली तरह परिचित है और वह उसे स्वेच्छा से अपना भी रही है। इसका कारण हिंदी का देश की सबसे प्रभावी संपर्क भाषा के रूप में विकसित होना है। हिंदी वह धागा है, जिसमें सभी भारतीय भाषाएं गुंथी हुई हैं। हिंदी का किसी भाषा से बैर-विरोध नहीं। वह सब भारतीय भाषाओं की सखी-सहयोगी है। वह राष्ट्रीय एकता की वाहक भी है। देश के हर हिस्से और यहां तक कि तमिलनाडु के लोग भी हिंदी समझते हैं और उसकी महत्ता भी जान रहे हैं। स्टालिन वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण अपने लोगों को कितना भी बरगलाएं, तथ्य यह है कि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में हिंदी भाषी कामगार रहते हैं। उनके तमाम नियोक्ता उनसे हिंदी में संवाद करने की कोशिश करते हैं। कुछ ने उनसे वार्तालाप के लिए हिंदी बोलने वाले जानकार भी रख रखे हैं। स्टालिन का हिंदी विरोध इसलिए परवान नहीं चढ़ने वाला, क्योंकि तमिलनाडु की जनता इससे अवगत है कि केंद्र सरकार किस तरह तमिल भाषा को बढ़ावा देने वाले तमिल संगमम जैसे आयोजन कर रही है। यह देखना दुखद है कि जब केंद्र सरकार भाषाई एकता के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, तब डीएमके नेता हिंदी के प्रति वैमनस्य प्रदर्शित कर संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ काम कर रहे हैं।

अब तो कई राजनेता मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखते रहने के आदी बन चुके हैं जबकि किस्मत ने साथ दिया तो राजद नेता और पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और लोजपा रामविलास नेता व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान भी आगे इस रेस के घोड़े बन सकते हैं। सबके दिल्ली के साथ साथ कोलकाता, रांची, भुवनेश्वर से समझदारी भरे रिश्ते हैं।

क्या पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की जमीनी रणनीति से ममता बनर्जी पुनः मारेंगी बाजी?

भागलपुर मूल के दिल्लीवासी नेता और तृणमूल कांग्रेस के तेजतर्रार सांसद कीर्ति झा आजाद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के संदर्भ में एक बड़ा संकेत दिया और शांडिल्य गोत्रीय ब्राह्मण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए भविष्यवाणी की कि राज्य विधानसभा चुनाव में टीएमसी 250 सीटें जीतेगी और 2029 में ममता बनर्जी भारत की प्रधानमंत्री बनेंगी। यदि ऐसी राजनीतिक परिस्थिति बनती है तो पूर्वी भारत की सियासत के लिए यह शुभ घड़ी होगी। ऐसा इसलिए कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु पारस्परिक दांवपेंचों की वजह से देश का प्रधानमंत्री नहीं बन पाए थे। जहां सूझबूझ वाले दूरदर्शी नेता ज्योति बसु ने कांटे के ताज पीएम पद की पेशकश को विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया था, वहीं लालू प्रसाद के सपनों का शिकार उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री द्वय देवगौड़ा और गुजराल जैसे जनाधार विहीन नेताओं को आगे करके करवा दिया। यूँ तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी सियासी बिल्ली के भाग्य से पीएम पद रूपीं छींके टूटने का इंतजार करते रह गए लेकिन नीयत और नीति में खोंट की वजह से गच्चा खाते रहे, जबकि उम्मीद अभी भी बाकी है! राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि षड्यंत्रकारी यूजीसी बिल से सवर्णों का विश्वास भाजपा से डिगा है और ममता बनर्जी को ब्राह्मण होने का पहली बार लाभ पश्चिम बंगाल में मिलने वाला है। वहीं, उनके जुझारू तेवर के मद्देनजर पूरे देश के सवर्ण उनपर फिदा होने को तैयार बैठे हैं। यही वजह है कि बंगाल में 250 सीटों को पार करने का उनके समर्थकों का दावा बेबुनियाद नहीं है। कांग्रेस के पूरे जनाधार को आज बंगाल में वही सहेजे हुए हैं। शायद इसलिए ही कीर्ति आजाद का मानना है कि टीएमसी (TMC) की सीटें लगातार बढ़ रही हैं—2011, 2016, 2021 में वृद्धि हुई और लोकसभा 2024 में भी 6 अतिरिक्त सीटें मिलीं। कोई एंटी-इनकंबेंसी नहीं है, बंगाल में विकास, अस्मिता और अलग संस्कृति की लड़ाई है। उनके शब्दों में

ममता को प्रधानमंत्री बनाने का कारण स्पष्ट है। आज उनके कद का कोई क्षेत्रीय नेता नहीं है। उन्होंने ममता को सबसे ताकतवर नेता बताया जो लगातार बीजेपी की खतरनाक राजनीतिक चालों से टक्कर ले रही हैं, और आने वाले समय में और मजबूत होंगी। राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि ममता से बेहतर कोई चेहरा नहीं, खासकर इंडिया गठबंधन में उनकी भूमिका मजबूत होगी। चूंकि ये बयान 2026 बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान आए, जहां उन्होंने बीजेपी, मोदी-शाह पर हमले किए और टीएमसी की योजनाओं (जैसे कन्याश्री, मनरेगा फंडिंग) की सराहना की। आपको पता होना चाहिए कि ममता बनर्जी का बंगाल मॉडल महिलाओं, युवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा और गरीबों के कल्याण पर केंद्रित है, जो टीएमसी सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं से जाना जाता है। ये योजनाएं जीवन के विभिन्न चरणों को कवर करती हैं। जहां तक महिलाओं की योजनाएं की बात है तो लक्ष्मी भंडार योजना के तहत सामान्य महिलाओं को 1500 रुपये मासिक और SC/ST महिलाओं को 1700 रुपये मिलते हैं। जबकि रूपश्री में विवाह के लिए 25,000 रुपये सहायता दी जाती है, जिससे 22 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ हुआ। कन्याश्री लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देती है। वहीं, यदि युवाओं और बेरोजगारों के लिए बात की जाए तो बांग्ला युवा साथी (युवा साथी) योजना में 21-40 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को 1500 रुपये मासिक भत्ता मिलता है। जबकि श्रमश्री प्रवासी मजदूरों को नई नौकरी तक 5000 रुपये सहायता देती है। वहीं, स्वास्थ्य और अन्य कल्याण कारी योजनाओं में स्वास्थ्य साथी स्वास्थ्य बीमा योजना चिकित्सा सुविधा प्रदान करती है। दुआरे चिकित्सा द्वार-द्वार स्वास्थ्य शिविर चलाती है। समावयती अंतिम संस्कार सहायता देती है, हर घर में पाइप पानी और पक्का घर सुनिश्चित करने वाली योजनाएं भी शामिल हैं। चूंकि ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल में 'जमीन से जुड़ी' नेता माना जाता है क्योंकि उन्होंने सिंगूर और नंदीग्राम जैसे भूमि अधिग्रहण आंदोलनों के जरिए किसानों और आम जनता के हितों की रक्षा की, जो उनकी छवि को मजबूत बनाता है। हालांकि, सवर्णों (जैसे ब्राह्मण) का उन्हें 'पूरा सपोर्ट' मिलना एक अतिशयोक्ति है, क्योंकि उनकी राजनीति मुख्य रूप से मुस्लिम (लगभग 30%) और दलित/ओबीसी वोटबैंक पर निर्भर है। लेकिन यूजीसी बिल विवाद से सवर्णों में उनकी पैठ लगातार बढ़ रही है।पूरे देश के सवर्ण कार्यकर्ता गोपनीय तौर पर बंगाल पहुंच रहे हैं और ममता की मदद करके सवर्ण विरोधियों को सही सबक सिखाना चाहते हैं, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की ओबीसी राजनीति हतोत्साहित हो सके। सबकुछ भीतर ही भीतर किया जा रहा है, ताकि ममता बनर्जी का पुराना वोट बैंक प्रभावित न हो। ममता बनर्जी जमीन से जुड़ाव रखने वाली नेता हैं। ममता बनर्जी ने 2006-07 के सिंगूर (टाटा नैनो प्रोजेक्ट) और नंदीग्राम आंदोलनों में किसानों की जमीन बचाने के लिए आंदोलन किया, जिससे वामपंथी सरकार गिरी। यह उनके 'आम आदमी की नेता' वाली इमेज का आधार बना, जहां वे गरीबों, किसानों और दबे-कुचले वर्गों की आवाज बनीं। टीएमसी की कल्याणकारी योजनाएं जैसे लक्ष्मीर भांडार ने ग्रामीण और एससी/एसटी वोटरों को बांधा। वहीं, सवर्ण समर्थन की हकीकत यह है कि सवर्ण (ब्राह्मण, बंगाली बाबू) टीएमसी को सीमित समर्थन देते हैं, लेकिन 'पूरा' नहीं—क्योंकि ममता पर मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप लगते हैं (जैसे वक्फ कानून, एसआईआर विरोध)। फिर भी उन्होंने ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित किए, पुजारियों को पेंशन/आवास दिए और खुद को 'ब्राह्मण की बेटी' कहा ताकि सॉफ्ट हिंदुत्व दिखाएं और बीजेपी का हिंदू वोट काटें। जानकार बताते हैं कि यूजीसी बिल विवाद के बाद उन्होंने सवर्णों को रिझाने के लिए अपने खास लोगों को लगा दिया है। फिर भी, अपर मिडिल क्लास/सवर्णों में कुछ कुछ असंतोष है जो शासन की खराबी पर है, और इसलिए भी 2026 चुनावों में जातिगत ध्रुवीकरण बढ़ सकता है।

कमलेश पांडेय

जन सुराज का...

ललित गर्ग

दंड से सुधार की ओर विश्वास आधारित न्यायिक यात्रा

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि व्यवस्था, अनुशासन, सुधार और विश्वास का वातावरण बनाना भी होता है। इसी दृष्टि से भारत सरकार द्वारा लाया गया जन विश्वास विधेयक 2026 पहले लोकसभा के बाद अब राज्यसभा से भी पारित होने से इसके कानून के रूप में अमल का रास्ता साफ हो गया। इसके माध्यम से उस व्यवस्था को विदा देने का जतन किया गया है, जिसमें छोटी-छोटी गलतियों या सामान्य नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जेल की सजा का प्रविधान था, अब ऐसा होने पर आर्थिक दंड लगेगा। निश्चित ही इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, भारतीय कानूनी परिवेश की एक उजली भोर है। निश्चित तौर यह कानून दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक व्यवस्था की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें लगभग 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर 784 प्रविधानों में संशोधन किये गये हैं और 700 से अधिक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इससे अदालतों में मुकदमों का बोझ और न्यायिक तंत्र पर दबाव कम होगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि खत्म होने पर भी वह 30 दिन तक वैध रहेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने पर सजा के स्थान पर जुर्माने का प्रविधान होगा। इसी तरह अन्य अनेक मामलों में ऐसा होगा। इनमें से कई मामले कारोबारियों से भी जुड़े हैं, जैसे पहले ड्रग्स एवं कास्मेटिक नियमों के

उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, लेकिन अब केवल जुर्माना लगेगा। जो छोटे कारोबारी प्रायः जटिल नियम-कानूनों के अनचाहे उल्लंघन के कारण दंडित होने के दबाव में भयभीत रहते थे, वे अब भयमुक्त होंगे। भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है भारत की व्यवस्था एवं कानूनों का सरल एवं सुगम बनाना, यह कानून उसी दिशा में एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपक्रम है। इस विधेयक से न केवल न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होगा बल्कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इसे "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" की अवधारणा को व्यवहार में उतारने वाला कानून भी कहा जा सकता है। दंड नहीं, सुधार की भावना को बल देते हुए इस कानून से आम-जनता को कानून की जटिल प्रक्रियाओं एवं भ्रष्टाचार की व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी। भारतीय न्याय व्यवस्था लंबे समय तक दंड आधारित रही है, जिसमें छोटे-छोटे उल्लंघनों के लिए भी आपराधिक मुकदमे चल जाते थे। इससे अदालतों में मुकदमों का ढेर लग जाता था और आम नागरिक अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं में उलझ जाते थे। जन विश्वास विधेयक ने इस सोच को बदलने का प्रयास किया है। इससे कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सुधार करना और व्यवस्था बनाए रखना होगा। अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड तय करना न्याय के मूल सिद्धांतों के अधिक अनुरूप है। इस कानून से न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी और गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा। यह कानून न्यायिक सुधार की दिशा में भी एक बड़ा ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि इससे न्यायालयों का समय और संसाधन बचेंगे और न्याय प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी। इस कानून का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यापार और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनाना भी है। पहले कई छोटे नियमों के उल्लंघन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते थे, जिससे उद्यमियों और निवेशकों में भय का वातावरण रहता था। अब आर्थिक दंड के प्रावधान से अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार करने में आसानी होगी। इससे छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा भारत में निवेश का वातावरण और बेहतर बनेगा। वैश्विक स्तर पर भी भारत की छवि एक सरल और निवेश अनुकूल देश के रूप में मजबूत होगी। इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसकी भावना भारतीय संस्कृति के बहुत निकट दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में दंड से अधिक सुधार, प्रतिशोध से अधिक क्षमा और अपराध से अधिक परिमार्जन की परंपरा रही है। हमारे शास्त्रों और परंपराओं में कहा गया है कि मनुष्य से गलती होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे सुधार का अवसर मिलना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों के लिए कठोर दंड देना न्याय नहीं, बल्कि अन्याय की श्रेणी में आ सकता है। इस दृष्टि से यदि कानून व्यवस्था में क्षमा, सुधार और परिमार्जन की व्यवस्था हो, तो समाज अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है। भारत की संस्कृति दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक और समन्वयवादी रही है। जन विश्वास विधेयक इसी भावना को आधुनिक कानूनी व्यवस्था में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होता है। यह कानून विश्वास आधारित शासन की ओर अग्रसर होने के साथ मेरा भारत महान् का उद्घोष है। यह कानून सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने वाला भी है। जब सरकार नागरिकों को अपराधी मानने की बजाय जिम्मेदार नागरिक मानकर कानून बनाएगी, तो नागरिकों में भी कानून के प्रति सम्मान और पालन की भावना बढ़ेगी। विश्वास आधारित शासन किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। भय आधारित शासन में नागरिक कानून से बचने की कोशिश करते हैं, जिससे समाज में भ्रष्टाचार को पनपने का मौका मिलता है जबकि विश्वास आधारित शासन में नागरिक कानून का पालन स्वयं करते हैं।

अब कह रहा...

राजेश श्रीवास्तव

ईरान ने जमींदोज कर दिया अमेरिका का दंभ

करीब 36 दिन पहले जब अमेरिका-इजरायल ने मिलकर ईरान जैसे देश पर एक साथ हमला बोला था और उनके सुप्रीम लीडर खामनेई को परिवार समेत मौत के घाट उतार दिया था तब लग रहा था कि अमेरिका और इजरायल का सामना करने का माद्दा ईरान में नहीं हैं लेकिन अमेरिका तक पहुंच न हो पाने के चलते जिस तरह ईरान ने होर्मुज को अपना हथियार बनाते हुए अपनी मिसाइल शक्तियों के सहारे अमेरिका और इजरायल जैसे दोनों शक्तिशाली देशों को इस युद्ध में कई बार घुटनों पर लाकर दिखा दिया, उससे साफ है कि यह युद्ध भले ही अमेरिका ने शुरू किया हो पर यह युद्ध खत्म करने की क्षमता ईरान में ही दिख रही है। एक तरफ दृढ़ इरादों वाला ईरान है तो दूसरी तरफ बार-बार यूटर्न लेने वाला अमेरिका का ट्रंप है जिसकी न तो बात का वजन है और न काम का। 10 दिन का युद्ध विराम का ऐलान करने वाला ट्रंप एक दिन भी हमले करने से नहीं चूका। न केवल अमेरिका बल्कि उसका साथी इजरायल भी इस हरकत में शामिल रहा। अब कह रहा है कि 48 घंटे बचे हैं उसके बाद बड़े हमले करूंगा तो आखिर ट्रंप ने कब बड़े हमले नहीं किये लेकिन वह बार-बार भूल जाता है कि ईरान वेनेजुएला नहीं है कि वह झुक जाये। ईरान के पास शक्तिशाली आईआरजीसी है जो अंतिम सांस तक अमेरिका को जवाब देगा। अमेरिका को लगता था कि उसके पास दुनिया की सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों की श्रृंखला है। रविवार को ईरान ने उसके सबसे उन्नत छह लड़ाकू विमानों में से एक एफ-15 जिसकी कीमत करीब 115 मिलियन डॉलर है, को मार गिराया । दूसरी तरफ दो एफ-35 को भी ढेर कर दिया। यह अमेरिका के लिए सबसे बड़ा

झटका है। अमेरिका अपने इस विमान की तारीफ करता रहा है लेकिन ईरान युद्ध ने इस जेट की प्रतिष्ठा खराब कर दी है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या दुनिया का सबसे एडवांस यह जेट ईरान में फ़ेल हो गया है। अमेरिका का एफ-35 लाइटनिंग पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ जेट है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन के रडार की नजर में नहीं आए। यह सुपरसोनिक गति से उड़ते हुए दूसरे विमानों और जमीनी सेनाओं के साथ लाइव डाटा साझा कर सकता है। ऐसे में कागज पर यह विमान अजेय लगता है लेकिन ईरान में 28 फरवरी से चल रही लड़ाई की कहानी अलग रही है। जेट के वर्जन के आधार पर एक एफ-35 विमान की कीमत 85 मिलियन डॉलर से लेकर 115 मिलियन डॉलर होती है। यह अब तक बनाए गए सबसे महंगे युद्धक विमानों में से एक है। ऐसे विमान का युद्ध में गिरना या क्षतिग्रस्त हो जाना इसकी सैन्य प्रतिष्ठा के साथ-साथ आर्थिक तौर पर भी एक बड़ा झटका साबित होता है। विमानों की स्टेल्थ यानी छिपकर उड़ने की क्षमता सवालों में आ गई है। साफ है स्टेल्थ विमानों को उनके हीट सिग्नेचर के जरिए पकड़ा जा सकता है।

लैंगिक समानता को बल देने वाली पहल

गर्मियां शुरू हो चुकी हैं और इसी के साथ जल संकट के दिन आने वाले है। ऐसे ही माहौल में बीते दिनों विश्व जल दिवस मनाया गया। 1993 से संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जा रहा यह दिवस जल को जीवन, विकास और मानव अधिकार के रूप में स्थापित करने के वैश्विक प्रयासों का प्रतीक है, किंतु इस औपचारिकता के पीछे एक कठोर सच्चाई आज भी यथावत है। यह सच्चाई केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देती है। फिजी के एक तटीय गांव में रहने वाली छह वर्षीय लैसानी घर के पास पानी के टैंक से वर्षा जल एकत्र करती है। वह प्लास्टिक की बोतलों में पानी भरकर घर लाती है, जहां पीने से पहले उसे उबाला जाता है। उसके परिवार के लिए वर्षा जल ही सुरक्षित पानी का मुख्य स्रोत है। इसे उपयोग योग्य बनाए रखना उनके दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि तथ्य बताते हैं कि विश्व में लगभग 1.8 अरब लोगों के घरों में पेयजल उपलब्ध नहीं है। हर तीन में से दो परिवारों में पानी लाने की जिम्मेदारी मुख्यतः महिलाओं और लड़कियों पर होती है। पानी लाने और उसके प्रबंधन में खपने वाला समय अक्सर लड़कियों की शिक्षा में बाधा, स्वास्थ्य जोखिमों में वृद्धि और सीमित अवसरों का कारण बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार वैश्विक स्तर पर महिलाएं और लड़कियां प्रतिदिन लगभग 25 करोड़ घंटे पानी एकत्र करने में व्यतीत करती हैं। यह केवल समय का आंकड़ा नहीं, बल्कि वे असंख्य अवसर हैं, जो शिक्षा, कौशल विकास, मनोरंजन या आय अर्जित करने वाली गतिविधियों में परिवर्तित हो सकते थे। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि 15 वर्ष से कम आयु की लड़कियों (7 प्रतिशत) के पानी लाने की संभावना समान आयु के लड़कों (4 प्रतिशत) की तुलना में अधिक है। यह लैंगिक असमानता को उजागर करता है। यूएन वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट 2026 यह रेखांकित करती है कि जल संकट केवल संसाधनों की उपलब्धता का प्रश्न नहीं, बल्कि समान अधिकारों और अवसरों से जुड़ा हुआ एक गहरा सामाजिक प्रश्न है।

ऋतु सारस्वत

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सौरभ वार्ष्णेय

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी, इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता, और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है। यह स्थिति केवल आंकड़ों की असमानता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के आधे हिस्से की भागीदारी कम हो, तो नीतियों में उनकी जरूरतों और दृष्टिकोण का समुचित प्रतिबिंब कैसे दिखाई देगा? भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का इतिहास संघर्ष और धीरे-धीरे हुए विस्तार का रहा है। स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने निश्चित रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर नेतृत्व के नए उदाहरण सामने आए हैं लेकिन यही प्रगति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नहीं दिखती। संसद में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है, जो यह दर्शाती है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा। इस असंतुलन के पीछे कई कारण हैं—सामाजिक रूढ़िवादिता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा और अवसरों की कमी, तथा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण और धनबल। महिलाएं अक्सर चुनाव लडने के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन से वंचित रहती हैं। साथ ही, राजनीतिक दल भी उन्हें इविनिंग कैंडिडेट्स के रूप में कम आंकते हैं, जिससे टिकट वितरण में भेदभाव दिखाई देता है।हालांकि, हाल के वर्षों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर चर्चा और पहल ने उम्मीद जगाई है। यदि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होता है, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा, जो न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा बल्कि नीति-निर्माण में संतुलन भी लाएगा।फिर भी, केवल आरक्षण ही समाधान नहीं है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, और सामाजिक सोच में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे स्वेच्छा से अधिक संख्या में महिलाओं को टिकट दें और नेतृत्व के अवसर प्रदान करें। साथ ही, समाज को भी महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। एक सशक्त लोकतंत्र वही है जिसमें हर वर्ग की आवाज बराबरी से सुनी जाए। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल उनका अधिकार नहीं बल्कि देश के समग्र विकास और बेहतर शासन की अनिवार्यता है। अब समय आ गया है कि आधी आबादी को आधा प्रतिनिधित्व भी मिले। भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व सीमित रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का पारित होना न केवल राजनीतिक सुधार का संकेत है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस बिल के लागू होने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है, जिससे इसकी प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ समय लग सकता है। यही वह बिंदु है, जिस पर विपक्ष और कई विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है, तो इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यह भी जरूरी है कि आरक्षण केवल संख्या तक सीमित न रहे बल्कि महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व और निर्णय लेने की शक्ति भी मिले। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी आंतरिक संरचनाओं में भी बदलाव लाने होंगे और महिलाओं को टिकट वितरण में प्राथमिकता देनी होगी। महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है।

पहली गेंद पर जड़ा चौका, 5वें ओवर में मिला जीवनदान, पिछले मैच में 15 गेंदों में 50 रन बनाए थे

वैभव 18 गेंद पर 31 रन बनाकर आउट

पटना, एजेंसी

IPL के 9वां मैच गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला खेला जा रहा है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। राजस्थान से यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ओपनिंग के लिए आए। वैभव ने मोहम्मद सिराज के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर चौका लगाकर खाता खोला। वहीं, सिराज के चौथे गेंद पर भी वैभव ने चौका जड़ा, पहले ओवर में 2 चौके जड़े। वैभव 18 गेंद पर 31 रन बनाकर आउट हो गए। पांचवें ओवर में वैभव सूर्यवंशी को जीवनदान मिला। विकेटकीपर जोस बटलर से वैभव का मुश्किल कैच छूट गया। हालांकि, वैभव ने अगली गेंद पर पॉइंट की दिशा में छक्का लगाया। आज की मैच में सभी की निगाहें वैभव सूर्यवंशी पर थी। हालांकि, 7वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच हो गए राजस्थान रॉयल्सः

यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर्सः रवि बिश्नोई, लुहान-ड्रे प्रिटोरियस, शुभम दुबे, बृजेश शर्मा, रवि सिंह। गुजरात टाइटंसः कुमार कुशाग्र, साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेट-कीपर), ग्लेन फिलिप्स, वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया, राशिद खान (कप्तान), कागिसो रबाडा, अशोक शर्मा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा। इम्पैक्ट प्लेयर्सः शाहरुख खान, जेसन होल्डर, मानव सुथार, अनुज रावत, जयंत यादव।

वैभव ने सिक्स लगाकर की थी फिफ्टी पूरी

चेन्नई के खिलाफ मैच खेलने आए वैभव का पहली ही गेंद पर कैच छूट गया था। वैभव सूर्यवंशी अपनी पहली बॉल पर बड़ा शॉट खेल गए, गेंद हवा में थी। कार्तिक शर्मा गेंद के नीचे आए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। अगली गेंद पर सूर्यवंशी ने छक्का लगा दिया था। वैभव ने आखिरी ओवर में 6 लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की थी। इस मैच के दौरान इंट्रेस्टिंग मोमेंट भी देखने को मिला। CSK से डेब्यू करने आए कार्तिक शर्मा ने वैभव सूर्यवंशी के जूतों की लेस बांधी थी।

आईपीएल में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं वैभव

पिछले सीजन के आईपीएल ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा था। उस समय उनकी उम्र महज 13 साल 8 महीने थी, जिससे वे ऑक्शन में बिकने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। इस साल टीम ने उन्हें रिटेन किया है।

आईपीएल करियर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था

वैभव सूर्यवंशी पिछले सीजन में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने अपने डेब्यू मैच में ही केवल 35 गेंदों में तूफानी शतक जड़ा था। इसी के साथ वो क्रिस गेल के बाद दूसरे सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बने थे। वैभव सूर्यवंशी ने अपने आईपीएल करियर की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा था।

बता दें कि पिछले मैच में सीएसके के खिलाफ मात्र 15 गेंदों में 50 रन बनाए थे और 17 गेंदों पर 52 रन। जिसमें 4 चौके और 5 छक्के शामिल थे। यह राजस्थान के लिए वैभव की दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। वहीं, टॉप पर यशस्वी जायसवाल हैं, जिन्होंने 2023 में कोलकाता के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एंडरसन की घातक गेंदबाजी

43 साल की उम्र में कमाल, 56वीं बार पारी में पांच विकेट झटके

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट में अक्सर उम्र के साथ खिलाड़ियों की धार कम होती दिखती है, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो इस धारणा को पूरी तरह गलत साबित कर देते हैं। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज सर जेम्स एंडरसन उन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने 43 साल की उम्र में भी अपनी स्विंग और सटीकता से बल्लेबाजों को परेशान करना जारी रखा है। काउंटी क्रिकेट में एंडरसन ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए पारी में पांच विकेट झटके। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का 56वां पांच विकेट हॉल है। लंकाशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने नॉर्थैम्पटनशायर के खिलाफ यह कारनामा किया। एंडरसन ने 13 ओवर में 64 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। एंडरसन की गेंदबाजी के आगे विपक्षी बल्लेबाज टिक नहीं पाए। उन्होंने टॉप और मिडिल ऑर्डर को झकझोरते हुए अहम विकेट निकाले। उनकी स्विंग और लाइन-लेंथ इतनी सटीक थी कि बल्लेबाजों के पास

जवाब नहीं था। खास बात यह रही कि इस उम्र में भी उनकी फिटनेस और रिदम बिल्कुल युवा गेंदबाजों जैसी नजर आई। 43 साल की उम्र में इस तरह का प्रदर्शन दिखाता है कि एंडरसन का अनुभव ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। लंबे समय तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का फायदा उन्हें हर गेंद में नजर आता है। उनका यह प्रदर्शन युवा गेंदबाजों के लिए भी सीख है कि सिर्फ रफ्तार ही नहीं, बल्कि कंट्रोल और निरंतरता भी उतनी ही जरूरी है। जेम्स एंडरसन पहले ही दुनिया के महान तेज गेंदबाजों में गिने जाते हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके रिकॉर्ड्स शानदार हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी वह लगातार अपनी छाप छोड़ रहे हैं।

फास्ट न्यूज

धुरंधर 2 का क्लाइमेक्स 15-20 दिन में शूट हुआ

मुंबई। फिल्म धुरंधर 2 के क्लाइमेक्स सीन को शूट करने के लिए एक्टर रणवीर सिंह ने 47-48 डिग्री तापमान में लेदर जैकेट और विग पहनकर शूटिंग की थी। फिल्म की मेकिंग को लेकर करनदीप ने NDTV के साथ बातचीत में बताया कि फिल्म के क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग में रिहर्सल समेत 15 से 20 दिन का समय लगा था। उन्होंने बताया कि शूटिंग लुधियाना के बाहरी इलाके में हुई, जहां तापमान 47-48 डिग्री तक पहुंच गया था।

आरबीआई मीटिंग में ब्याज दर में बदलाव की संभावना कम

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की बैठक 6-8 अप्रैल को होने वाली है। बाजार को उम्मीद थी कि इस बार शायद ब्याज दरों में कुछ राहत मिले, लेकिन पश्चिम एशिया (वेस्ट एशिया) में बढ़ते तनाव ने समीकरण बदल दिए हैं। SBI रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबल अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को देखते हुए RBI फिलहाल रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। इससे पहले फरवरी में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर में बदलाव नहीं हुआ था। अभी ब्याज दर 5.25% पर है। बासित ने कहा, "अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है तो हम अमेरिका तक नहीं पहुंच सकते क्योंकि वह हमारे न्यूक्लियर रेंज में नहीं है। ऐसे में हमारा क्या विकल्प होगा? भारत। बाद में जो होगा देख लेंगे।"

टॉप-10 कंपनियों में से 6 की वैल्यू 64,734 करोड़ घटी

नई दिल्ली। मार्केट कैप के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 6 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 64,734.46 करोड़ रुपए घट गई। मिडिल ईस्ट में तनाव और इजराइल-ईरान जंग की वजह से यह गिरावट आई है। इस दौरान भारती एयरटेल की वैल्यू सबसे ज्यादा घटी। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 29,993.07 करोड़ रुपए घटकर 10.20 लाख करोड़ पर आ गया।

संजय गुप्ता ने वीएफएक्स को लेकर पुराना ट्वीट शेयर किया

कहा- रिलीज से पहले खुद की तारीफ नहीं की जाती

नई दिल्ली: डायरेक्टर संजय गुप्ता एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में एक पुराना ट्वीट दोबारा शेयर किया, जिसमें उन्होंने बड़ी फिल्मों के VFX और उनके प्रमोशन के तरीके पर कमेंट किया था। इस ट्वीट में उन्होंने द मैट्रिक्स, द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स, अवतार, ड्यून और स्टार वार्स जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा था कि इन फिल्मों ने अपने शानदार विजुअल इफेक्ट्स के बावजूद रिलीज से पहले खुद की तारीफ नहीं की, बल्कि उनका काम खुद बोलता था। संजय गुप्ता का यह ट्वीट ऐसे समय में सामने आया है, जब फिल्म रामायण के VFX को लेकर चर्चा हो रही है। ऐसे में उनके इस ट्वीट को रामायण के संदर्भ में जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले भी संजय गुप्ता खबरों में आ चुके हैं, जब उन्होंने ट्वीट किया था, "खोदा पहाड़ निकला चूहा", जिसे लोगों ने फिल्म रामायण के टीजर पर तंज माना था, क्योंकि उनका यह ट्वीट रामायण में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर का लुक सामने आने के बाद किया गया था। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया था कि उनका बयान किसी खास फिल्म के लिए नहीं था। फिल्म रामायण से भगवान राम का लुक हनुमान जयंती पर सामने आया। टीजर में युद्ध के सीन और शानदार VFX भी दिखे, जिसकी कई लोगों ने तारीफ की है। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने फिल्म के सीन्स को हॉलीवुड फिल्मों की नकल बताया। टीजर में दिखाए गए युद्ध के सीन (लंका में) कुछ यूजर्स को हॉलीवुड फिल्मों जैसे लगे।

पति राघव चड्ढा को परिणीति चोपड़ा पर हुआ गर्व, नई शुरुआत पर जताई खुशी

'हमेशा तुम्हारे साथ हूं'

नई दिल्ली: बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने मनोरंजन की दुनिया में एक नया कदम रखा है। परिणीति ने हाल ही में अपना नया चैट शो "मॉम टॉक्स" लॉन्च किया है, जो कि जी5 पर स्ट्रीम होगा। इस शो में वह मदरहुड से जुड़े अनुभवों और चुनौतियों पर खुलकर बात करेंगी। परिणीति ने इस खुशखबरी की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट के माध्यम से दी, और जैसे ही यह खबर फैंस तक पहुँची, उनकी तारीफों का सिलसिला शुरू हो गया। मॉम टॉक्स का पहला एपिसोड भी रिलीज़ हो चुका है। इस टॉक शो में परिणीति विभिन्न माताओं के अनुभवों को साझा करेंगी और उनके सवालों का जवाब देंगी। यह शो उन लोगों के लिए प्रेरणादायक साबित हो सकता है जो माता-पिता बनने की राह पर हैं या माता-पिता से जुड़े अनुभवों को समझना चाहते हैं। निष्कर्षः परिणीति चोपड़ा का "मॉम टॉक्स" सिर्फ एक टॉक शो नहीं, बल्कि मातृत्व और पारिवारिक मूल्यों को समझने और साझा करने का माध्यम है।

परिणीति चोपड़ा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

परिणीति चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार इम्तियाज अली की फिल्म चमकीला में देखा गया था। इन दिनों एक्ट्रेस अपने ओटीटी डेब्यू की तैयारी में हैं। वह अपकमिंग सीरीज तलाशः अ मदर्स सर्च में नजर आएंगी, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। इसके अलावा वह मां बनने के बाद मॉम टॉक्स को भी लॉन्च कर रही हैं।

परिणीति की नई पहल को लेकर सोशल मीडिया पर उत्साह का माहौल है। उनके फैंस लगातार उनकी तारीफ कर रहे हैं और उनके शो के पहले एपिसोड को लेकर उत्साहित हैं। इस शो से यह उम्मीद की जा रही है।

राघव चड्ढा ने दिखाया समर्थन

परिणीति की नई शुरुआत पर उनके पति राघव चड्ढा ने खुलकर अपनी खुशी और गर्व जताया। राघव ने परिणीति के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, ₹बहुत गर्व है। बधाई हो। हमेशा तुम्हारे साथ हूं।₹ उनकी इस प्रतिक्रिया ने फैंस को भी जोड़कर पारिवारिक प्रेम और समर्थन की मिसाल पेश की। इस मौके पर बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने भी परिणीति के काम की सराहना की।

राजनीतिक हलचल के बीच भी मजबूत संबंध

राघव चड्ढा इन दिनों राजनीतिक सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्हें राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हटा दिया गया, जो राजनीतिक चर्चा का विषय बना हुआ है। बावजूद इसके, परिणीति ने अपने पति के साथ लगातार खड़े होने का संदेश दिया है। उनके मजबूत संबंध और एक-दूसरे का समर्थन दोनों ही मीडिया और फैंस के लिए प्रेरणास्पद हैं।

फिल्म रामायण पर चीन के लोगों ने दिया रिएक्शन

भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर की जगह सौरभ राज जैन को बेहतर बताया

मुंबई, एजेंसी

रणवीर कपूर की फिल्म रामायण में भगवान राम का लुक हाल ही में रीवील किया गया, जिसे चीन के कथित इंटरनेट यूजर्स ने पसंद किया है। यह रिएक्शन रेडिट पर वायरल पोस्ट के जरिए सामने आए हैं, जहां लोगों ने विजुअल्स की तारीफ की, लेकिन भगवान राम के रोल के लिए एक्टर सौरभ राज जैन को बेहतर विकल्प बताया। 2 अप्रैल को रामायण के टीजर को यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किए जाने के बाद दर्शकों के रिएक्शन लगातार सामने आ रहे हैं। बता दें कि चीन में रामायण के कई रूपांतरणों को सेक्रेड लॉर्ड जैसे नामों से डब करके रिलीज किया गया, जिन्हें वहां के दर्शकों ने काफी पसंद किया है। गौरतलब है कि सौरभ राज जैन 2013-2014 में प्रसारित महाभारत में श्रीकृष्ण और 2014 के महादेव में भगवान विष्णु की भूमिका निभा चुके हैं। ये दोनों शोज चीन में भी लोकप्रिय रहे हैं, जिसके चलते

वहां के दर्शक उन्हें राम के रूप में देखना पसंद कर रहे हैं। हालांकि, भगवान राम के किरदार को लेकर कुछ यूजर्स ने अलग राय रखी। कई यूजर्स ने लिखा कि स्टार प्लस के शो महाभारत में श्रीकृष्ण का रोल निभाने वाले सौरभ राज जैन इस भूमिका के लिए ज्यादा सही होते। एक यूजर ने कहा कि यह किरदार उनके लिए ही बना है।

पोस्ट के अनुसार, एक यूजर ने फिल्म के विजुअल्स की तारीफ करते हुए लिखा कि यह सस्ते फैंटेसी ड्रामा से अलग और बेहतर नजर आती है। वहीं दूसरे यूजर ने भारतीय पौराणिक फिल्मों पर भरोसा जताया। इसी बीच रेडिट पर एक वायरल पोस्ट में दावा किया गया कि चीन के इंटरनेट यूजर्स भी इस टीजर पर रिएक्शन दे रहे हैं। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

"बता दें कि चीन में रामायण के कई रूपांतरणों को सेक्रेड लॉर्ड जैसे नामों से डब करके रिलीज किया गया, जिन्हें वहां के दर्शकों ने काफी पसंद किया है। गौरतलब है कि सौरभ राज जैन 2013-2014 में प्रसारित महाभारत में श्रीकृष्ण और 2014 के महादेव में भगवान विष्णु की भूमिका निभा चुके हैं। ये दोनों शोज चीन में भी लोकप्रिय रहे हैं, जिसके चलते वहां के दर्शक उन्हें राम के रूप में देखना पसंद कर रहे हैं।

सौरभ राज जैन को बेहतर बताया गया

हालांकि, भगवान राम के किरदार को लेकर कुछ यूजर्स ने अलग राय रखी। कई यूजर्स ने लिखा कि स्टार प्लस के शो महाभारत में श्रीकृष्ण का रोल निभाने वाले सौरभ राज जैन इस भूमिका के लिए ज्यादा सही होते। एक यूजर ने कहा कि यह किरदार उनके लिए ही बना है।

गोलीबारी : 36 घंटे में दुश्मन के बीच से बचाया, ट्रम्प बोले- यह इतिहास का सबसे साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन

ईरान के पहाड़ों में छिपा था अमेरिकी पायलट

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के एक F-15 फाइटर जेट को ईरान के ऊपर मार गिराए जाने के 36 घंटे बाद उसके दोनों क्रू मेंबर्स को अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने बचा लिया है। स्पेशल कमांडो यूनिट ने दर्जनों लड़ाकू विमानों के साथ ईरान में ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन अंत में अमेरिकी टीम अधिकारी को सुरक्षित निकालने में सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए। सने अपनी SERE ट्रेनिंग (जिंदा रहना, बचना, विरोध करना और निकलना) का इस्तेमाल करते हुए कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत के कठिन पहाड़ी इलाके में खुद को छिपाए रखा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के

मुताबिक, ईरान से एक बचाए गए अमेरिकी एयरमैन और कमांडो को निकालने वाले दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए थे। इसके बाद अमेरिका को तीन नए विमान भेजने पड़े, ताकि एयरमैन और सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, बाद में अमेरिकी सेना ने उन फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को उड़ा दिया, ताकि वे ईरान के हाथ न लगें। ईरान के अंदर से आई तस्वीरों से संकेत मिलता है कि ये विमान एक अस्थायी एयरस्ट्रिप पर फंस गए थे, जिसे अमेरिकी सेना ने देश के एक दूरदराज इलाके में बनाया था।

सीआईए ने अफवाह फैलाकर ईरान को भटकाया

अमेरिका और ईरान एयरमैन को ढूंढ रहे थे। ईरान की IRGC (रेवोल्यूशनरी गार्ड) भी उसे पकड़ने के लिए वहां पहुंच गई थी। एयरमैन को ढूंढना बहुत मुश्किल था। इसके लिए CIA ने एक चाल चली। उन्होंने ईरान के अंदर गलत जानकारी फैलाई कि अमेरिकी सेना उसे पहले ही ढूंढ चुकी है और उसे निकालने की तैयारी कर रही है। इससे ईरान की खोज की दिशा भटक गई। इसी दौरान CIA ने अपनी खास तकनीक का इस्तेमाल करके एयरमैन की सही लोकेशन पता कर ली। यह लोकेशन पेंटागन, अमेरिकी सेना और व्हाइट हाउस को दी गई। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन का आदेश दिया।

पैराशूट से उतरने के बाद घायल हुआ था अफसर

अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने 3 अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि ईरान ने शुक्रवार को F-15 विमान गिरा दिया था। उसमें दो लोग थे। एक पायलट और एक एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफिसर (जो हथियारों को ऑपरेट करता है)।

पायलट को कुछ घंटों के भीतर ही बचा लिया गया था। लेकिन एयरमैन पैराशूट से उतरने के बाद घायल हो गया। चोट लगने के बावजूद वह चलने की हालत में था। इसके बाद वह ईरान के पहाड़ी इलाके में छिप गया और वहां एक दिन से ज्यादा समय तक पकड़ से बचता रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया है।

पाकिस्तान की भारत को धमकी- अगला संघर्ष सीमा तक नहीं रहेगा

रक्षा मंत्री आसिफ बोले- हम कोलकाता तक पहुंचेंगे और उनको घर में घुसकर मारेंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए भारत को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला) करता है, तो इस बार संघर्ष सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारत अपने लोगों या हिरासत में बंद पाकिस्तानियों का इस्तेमाल करके झूठा ड्रामा रचने की योजना बना रहा है। पिछले साल की तरह इस बार भारत को और ज्यादा शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा। आसिफ ने आगे ये भी कहा कि शवों को कहीं रखकर पाकिस्तान पर आतंकवाद का आरोप लगाया जा सकता है, लेकिन उन्होंने (भारत ने) इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया। ख्वाजा आसिफ के इस बयान

पर भारत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरलम में एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को साफ चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान फिर कोई गलत कदम उठाएगा तो भारतीय सेना निर्णायक जवाब देगी। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और अगर पाकिस्तान ने दोबारा गंदा खेल खेला तो भारतीय सैनिक ऐसा जवाब देंगे जो वे कभी नहीं भूलेंगे। ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में कहा था कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है। आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा। आसिफ ने यह भी कहा कि भारत के साथ युद्ध की संभावना अभी भी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने भी विवादास्पद बयान दिया था। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला कर दे तो पाकिस्तान को बिना एक पल सोचे मुंबई और नई दिल्ली पर हमला कर देना चाहिए।

लखनऊ नगर निगम पैनल के वकीलों की होगी छंटनी

खराब परफॉर्मेंस की तैयार की जा रही रिपोर्ट, पैरवी काम नहीं आएगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने अपने पैनल में शामिल वकीलों के प्रदर्शन की समीक्षा शुरू कर दी है। मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार की अध्यक्षता में विधि विभाग की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया कि खराब प्रदर्शन करने वाले वकीलों को पैनल से बाहर किया जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत वकीलों की परफॉर्मेंस, अनुभव और केस जीतने के ट्रैक रिकॉर्ड को ध्यान में रखा जाएगा। सिविल कोर्ट के आदेश पर 10 मार्च को नगर आयुक्त के कार्यालय की कुर्की के दौरान कमजोर पैरवी के कारण स्थिति खराब हो गई थी। बाद में नगर आयुक्त की सख्ती से स्थिति सुधार गई। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने वकीलों के प्रदर्शन के आधार पर पैनल को अपडेट करने का निर्णय लिया है। इस डिक्री के तहत नगर निगम की टीम कुर्की कार्रवाई के

लिए कार्यालय पहुंची, लेकिन वकीलों की कमजोर पैरवी के कारण प्रारंभिक स्थिति बिगड़ गई। नगर आयुक्त की सख्ती और हस्तक्षेप के बाद कार्रवाई सही ढंग से पूरी हुई। इस प्रक्रिया का उद्देश्य केवल छंटनी करना नहीं है, बल्कि नगर निगम की कानूनी कार्यक्षमता और केस जीतने की दर को बढ़ाना भी है। अधिकारी यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भविष्य में किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई या कोर्ट के आदेश में कमजोर पैरवी की स्थिति न उत्पन्न हो।

नगर निगम पैनल और केसों का आंकड़ा

नगर निगम के पैनल में वर्तमान में कुल 220 वकील शामिल हैं। इनमें से ऐसे वकीलों को बाहर किया जाएगा, जिन्होंने लंबे समय से कोई केस नहीं लड़ा है या जिनकी पैरवी कमजोर रही है। नगर निगम के पास कुल 480 केस हैं, जिनमें प्रॉपर्टी विवाद सबसे अधिक हैं, जबकि सिविल मामले दूसरे नंबर पर हैं। अन्य मामलों में अतिक्रमण, रोड निर्माण, कर्मचारी विवाद और विभिन्न प्रशासनिक मामले शामिल हैं।

विवादित मामला: मैसर्स गंगा संस्थान शेल्टर होम

इस छंटनी के पीछे का एक बड़ा कारण 2019 का शेल्टर होम मामला भी है। मैसर्स गंगा संस्थान, कैसरबाग, ने 2019 में शेल्टर होम संचालित किया था। नगर निगम ने दिसंबर 2019 में संस्था को सूचित किया था कि शेल्टर होम संचालन की अनुमति सितंबर 2019 में रद्द कर दी गई थी। संस्था ने शेल्टर होम संचालन के 3 महीने (सितंबर से दिसंबर 2019) के खर्च की राशि का भुगतान मांगा। नगर निगम ने भुगतान करने से मना किया और संस्था ने कोर्ट में बकाया राशि के लिए वाद दायर किया।

छंटनी की प्रक्रिया: न्यूनतम 30 वकील होंगे बाहर

अधिकारियों के अनुसार, पैनल से बाहर किए जाने वाले वकीलों की संख्या न्यूनतम 30 से अधिक होगी। मेयर सुषमा खर्कवाल ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि पैनल से बाहर किए जाने वाले वकीलों की सूची तैयार की जाए। अब नगर निगम के अधिकारियों ने इस सूची को तैयार करना शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि केसों की संख्या कम होने के बावजूद वकीलों की संख्या अधिक है, इसलिए काम के आधार पर छंटनी होगी। हालांकि, यह भी चुनौती है कि किसी भाजपा नेताओं या आला अधिकारियों की पैरवी करने वाले वकीलों को बाहर न किया जाए।

वकीलों की समीक्षा और भविष्य की तैयारी

अधिकारियों का कहना है कि नगर निगम अब केवल अनुभवी और अच्छे ट्रैक रिकॉर्ड वाले वकीलों को ही पैनल में रखेगा। जिन वकीलों का प्रदर्शन कमजोर रहेगा या जिन्होंने लंबे समय से केस नहीं लड़े हैं, उन्हें पैनल से बाहर किया जाएगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य केवल छंटनी करना नहीं है, बल्कि नगर निगम की कानूनी कार्यक्षमता और केस जीतने की दर को बढ़ाना भी है।

अधिकारी यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भविष्य में किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई या कोर्ट के आदेश में कमजोर पैरवी की स्थिति न उत्पन्न हो। कोर्ट ने 2.17 लाख रुपए के भुगतान का आदेश दिया। इसी डिक्री के तहत नगर निगम की टीम कुर्की कार्रवाई के लिए पहुंची थी, लेकिन वकीलों की कमजोर पैरवी के कारण प्रारंभिक स्थिति बिगड़ गई।

> फिलहाल नगर निगम की ओर से तैयार की जा रही सूची पर अधिकारियों की अंतिम समीक्षा जारी है और जल्द ही इसे लागू कर दिया जाएगा। लेकिन वकीलों की कमजोर पैरवी के कारण प्रारंभिक स्थिति बिगड़ गई। कोर्ट ने 2.17 लाख रुपए के भुगतान का आदेश दिया।

यूपी में तैयार हो रही महिला ई रिक्शा पायलटों की फौज

महिला सुरक्षा में यूपी बन रहा मॉडल स्टेट

- अयोध्या समेत 5 जिलों में हुई शुरुआत, लखनऊ और प्रयागराज समेत 8 जिलों में भी जल्द मिलेगी सुविधा।
- समूह की महिलाओं को शुरुआत में 1000 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जाएंगे, इसके बाद पूरे प्रदेश में होगा विस्तार।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को नई ऊंचाई देने की दिशा में योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। 'सेफ मोबिलिटी प्रोग्राम' के तहत प्रदेश में महिला ई-रिक्शा पायलटों की फौज तैयार की जा रही है, जिससे बालिकाओं और महिलाओं को विद्यालय, कार्यस्थल और अन्य जरूरी स्थानों तक सुरक्षित,

सुलभ और सम्मानजनक परिवहन मिल सकेगा। इस योजना के तहत शुरुआत में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को 1000 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, कौशांबी और झांसी में इस सुविधा की शुरुआत कर दी गई है, जबकि लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र, देवरिया, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में इसे जल्द शुरू किया जाएगा। योगी सरकार की यह पहल इसलिए भी खास है, क्योंकि इसका सीधा रिश्ता महिला सुरक्षा से जुड़ा है।

फास्ट न्यूज

नाबालिग से कुकर्म कर बनाया वीडियो

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र में 13 साल के नाबालिग के साथ कुकर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने बच्चे को अगवा कर उसके साथ जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाए और वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी। पीड़ित के पिता ने शुक्रवार को थाने में तहरीर देकर बताया कि अनुज नाम का व्यक्ति उनके बेटे को जबरन मोटरसाइकिल पर बैठाकर सुनसान स्थान पर ले गया।

शॉर्ट सर्किट से 10 बीघा गेहूं जला

अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर के जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के बीरखेत गांव में रविवार दोपहर बिजली के शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में लगभग 10 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। आग लगने से गांव निवासी राजेंद्र, पूजन यादव और बटानू प्रजापति की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। बताया जा रहा है कि आग सबसे पहले राजेंद्र के गेहूं के खेत में लगी थी। जिसके बाद तेज हवाओं के कारण यह तेजी से आसपास के खेतों में फैलने लगी। आग की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ और कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने तुरंत ट्रैक्टरों का इस्तेमाल कर खेतों की जुताई शुरू कर दी।

प्रेमी साथ मिलकर पत्नी ने पति का गुप्तांग काटा

आगरा। आगरा में एक पत्नी ने अपने प्रेमी और मकान मालिक के साथ मिलकर अपने पति का गुप्तांग काट दिया। पति ने पत्नी के प्रेमी और मकान मालिक पर पिटाई करने और चाकू से प्राइवेट पार्ट (गुप्तांग) काटने का आरोप लगाया है। पीड़ित पति ने बताया- मुझे शक था कि मेरी पत्नी का काफी समय से मकान मालिक के परिचित युवक से संबंध है। जब मैंने इसका विरोध किया तो उसने मेरा प्राइवेट पार्ट काट दिया।

निजी प्रकाशन की किताबें बेचने वालों पर मंत्री गुलाब देवी का सख्त रुख

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने निजी प्रकाशन की किताबें बेचने और अभिभावकों पर दबाव डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग के निदेशक को आदेश दिए हैं कि ऐसे मामलों की रिपोर्ट दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और जेल भेजने का अभियान चलाया जाए। यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब संभल सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से अभिभावकों की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। अभिभावकों का आरोप है कि उन्हें NCERT की किताबों के बजाय निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। राज्यमंत्री गुलाब देवी ने कहा कि उनके पास अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं आई है, लेकिन यदि कहीं भी गड़बड़ी पाई जाती है, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के निर्देश हैं कि स्कूलों में केवल

NCERT की किताबें ही पढ़ाई के लिए इस्तेमाल और बिक्री के लिए उपलब्ध हों। गुलाब देवी ने कहा, "यदि कोई शिकायत आती है तो मैं स्वयं संबंधित अधिकारियों से बात करूंगी और तुरंत जांच के आदेश दूंगी। अगर यह साबित होता है कि अभिभावकों पर दबाव बनाकर दूसरी किताबें बेची जा रही हैं या NCERT की किताबों के नाम पर ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं, तो दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाएगा।" अभिभावकों ने बताया कि कई स्कूलों और कोचिंग संस्थानों में निजी प्रकाशकों की किताबों को पढ़ाई और खरीदने के लिए जबरदस्ती कराई जा रही है। इन किताबों की कीमत NCERT की पुस्तकों से कई गुना अधिक है। इस वजह से आम परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। शिक्षा विभाग अधिकारियों ने बताया कि वे अब सख्ती से निगरानी और कार्रवाई की योजना बना रहे हैं। इसमें यह देखा जाएगा कि किसी भी स्कूल या कोचिंग द्वारा अभिभावकों पर दबाव तो नहीं डाला जा रहा और सभी बच्चों को NCERT की किताबें मुफ्त या निर्धारित कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। मंत्री गुलाब देवी ने निर्देश दिए हैं कि शिक्षा विभाग तीव्र और पारदर्शी जांच करे। दोषी पाए जाने पर एफआईआर दर्ज करके कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इससे न केवल निजी प्रकाशकों की मनमानी पर अंकुश लगेगा, बल्कि अभिभावकों और छात्रों को भी आर्थिक और शैक्षणिक सुरक्षा मिलेगी। अधिकारी सूत्रों के अनुसार, राज्यभर में इस अभियान के तहत सभी स्कूलों और कोचिंग संस्थाओं का निरीक्षण किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

भाई बोला- पार्टनर बेल्ट और चाकू से मारता था, मर्डर कर चौकी पहुंचा

लिवइन में रह रही युवती की मौत

- पोस्टमॉर्टम हाउस में मृतका का भाई वसीम इंसाफ के लिए हाथ जोड़ता रहा।

परिजनों के अनुसार, अलिशा की डेढ़ साल पहले कानपुर में शादी की थी। वहां से अयान लखनऊ ले आकर साथ रह रहा था।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में लिवइन में रह रही युवती की मौत हो गई। युवती के भाई का आरोप है कि बहन के पार्टनर ने ही उसकी हत्या की। उसके बाद पुलिस चौकी जाकर बताया कि मैंने अपनी औरत की हत्या कर दी है। वह बेल्ट और चाकू से मारता था। बहन के शरीर पर कई जगह जख्म के निशान थे। आज उसने हत्या कर दी। मामला मदेयगंज इलाके का रविवार का है। मृतका की पहचान अलिशा बानो (20) के रूप में हुई है। वह मूलरूप से तालकटोरा थाना क्षेत्र की जनतानगरी की

थी। उसका प्रेमी अयान उसे लेकर मदेयगंज इलाके में किराये के कमरे में रह रहा था। मृतका के भाई मोहम्मद वसीम ने बताया कि अयान की मां ने कहा था कि 2 महीने में इसे मार डालेंगे। आज वही किया। मामले में पुलिस ने कहा कि आत्महत्या की शिकायत मिली है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद तय होगा कि यह आत्महत्या है या हत्या। भाई वसीम ने बताया- करीब डेढ़ साल पहले अलिशा की शादी कानपुर में कराई थी। उसके बाद इन लोगों (अलिशा और अयान) की इंस्टाग्राम के जरिये दोस्ती हो गई। उसी पर दोनों बातचीत करते थे। करीब 5 महीने पहले अयान कानपुर से मेरी बहन अलिशा को लखनऊ लेकर चला आया। यहां दोनों बिना निकाह किए रह रहे थे।

कानपुर में शादी की, वहां से भगा लाया था

भाई वसीम ने बताया- करीब डेढ़ साल पहले अलिशा की शादी कानपुर में कराई थी। उसके बाद इन लोगों (अलिशा और अयान) की इंस्टाग्राम के जरिये दोस्ती हो गई। उसी पर दोनों बातचीत करते थे। करीब 5 महीने पहले अयान कानपुर से मेरी बहन अलिशा को लखनऊ लेकर चला आया। यहां दोनों बिना निकाह किए रह रहे थे। अयान की मां ने कहा था कि अगर तुम्हारी बहन की शादी हुई तो उसे मार डालेंगे। आज उसने वही करके दिखा दिया। मेरी मां ने लिखित तहरीर चौकी में दी है। पुलिस कह रही है कि कार्रवाई कर रहे हैं।

'पुलिस ने बहन की मौत की जानकारी दी'

मृतका के भाई वसीम ने बताया- सुबह मदेयगंज पुलिस चौकी से दरोगा का फोन आया कि तुम्हारी बहन की मौत हो गई है। आकर डेडबॉडी देख लो। हम लोग जब पहुंचे तो देखा कि बहन के शरीर पर चोट के निशान थे। वहीं, अयान (बहन का प्रेमी) चौकी पहुंच चुका था। उसने वहां जाकर बताया कि मैं अपनी औरत की हत्या करके आया हूं।

इजराइल में पूरी तरह सुरक्षित हैं यूपी के 6000 से अधिक श्रमिक

तनावपूर्ण हालात के बीच भी सभी श्रमिक सुरक्षित, जरूरत पड़ने पर की जा रही वापसी की व्यवस्था

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। इजराइल में जारी तनावपूर्ण हालात के बीच उत्तर प्रदेश के 6000 से अधिक श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी श्रमिकों की नियमित निगरानी की जा रही है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. शन्मुगा सुंदरम लगातार इजराइल में भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और वहां मौजूद भारतीय, विशेषकर यूपी के श्रमिकों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। दूतावास से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इजराइल में कार्यरत सभी भारतीय श्रमिक सुरक्षित हैं और फिलहाल किसी भी तरह की आपात स्थिति या बड़े खतरे की सूचना नहीं है। इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह के साथ प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ शन्मुगा सुंदरम लगातार यूपी के श्रमिकों के विषय में अपडेट ले रहे हैं। डॉ शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि भारत के राजदूत जेपी सिंह के साथ टेलीफोन पर उनकी लगातार बातचीत हो रही है। 11, 17 और 28 मार्च को साझा किए गए अपने संदेशों में भारतीय राजदूत ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया है कि सभी भारतीय श्रमिक, जिनमें उत्तर प्रदेश के श्रमिक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से कुछ चिंता का माहौल है, लेकिन किसी भी श्रमिक की ओर से भारत लौटने का कोई विशेष दबाव या मांग नहीं आई है। दूतावास सभी के साथ लगातार संपर्क में है और उनकी हर जरूरत का ध्यान रखा जा रहा है। राजदूत ने यह भी जानकारी दी कि कुछ यूपी के श्रमिकों ने हाल ही में भारत से गए पत्रकारों का आतिथ्य भी किया, जो इस बात का संकेत है कि स्थिति नियंत्रण में है और श्रमिक सामान्य जीवन जी रहे हैं। भारतीय दूतावास की प्रथम सचिव डॉ. गरिका तेजेश्वर ने भी प्रमुख सचिव के साथ वार्तालाप में पुष्टि की है कि यूपी के सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और अब तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि कुछ भारतीय नागरिक, मुख्य रूप से व्यापारी और छात्र स्वेच्छा से वापस लौटे हैं।

मुख्यमंत्री ने देखी 'आनंद मठ' की नाट्य प्रस्तुति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन व दो प्रेक्षागृहों के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां कलाविदों-पूर्व छात्रों का सम्मान, रंगवेद पत्रिका का विमोचन और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय रचित उपन्यास आनंदमठ की नाट्य प्रस्तुति भी देखी। इसके पहले भारतेंदु नाट्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रतिशंकर त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। मंच पर पहुंची एक बच्ची ने पैर छूकर मुख्यमंत्री का आशीर्वाद लिया। सीएम ने बच्ची का उत्साहवर्धन करते हुए चॉकलेट दी। मुख्यमंत्री के हाथों इन्हें मिला सम्मान किरण बिसारिया, लखीमपुर खीरी पद्मश्री रामगोपाल बजाज, नई दिल्ली पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी, लखनऊ प्रो. अजय मलकानी, रांची रविशंकर खरे, गोरखपुर चित्रा मोहन, प्रयागराज मंजू ब्रजनंदन शर्मा सहारनपुर मुनीश सप्पल मुंबई डॉ. देवेंद्र कुमार त्रिपाठी प्रयागराज डॉ. अजीत सैगल राकेश निगम।

स्वागत : परिवार ने जमकर डांस किया, 8 साल पहले मेजर से हुई थी शादी

बेटी के तलाक पर रिटायर्ड जज पिता ने ढोल-नगाड़े बजवाए

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ में शनिवार को तलाक का एक अनोखा मामला सामने आया। यहां एक परिवार ने तलाक के बाद बेटी का फूल-मालाओं से स्वागत किया। ढोल की थाप पर लोग कोर्ट से घर तक नाचते-गाते नजर आए। मिठाइयां बांटी गईं। रिटायर्ड जज पिता ने फूल-माला पहनाकर घर में बेटी का स्वागत किया। इस मौके पर परिवार के सभी सदस्य ब्लैक कलर की टी-शर्ट पहने दिखे। जिस पर बेटी की तस्वीर थी और लिखा था- आई लव माय डॉटर पिता ने कहा, मैंने 8 साल पहले अपनी इकलौती बेटी की शादी आर्मी के मेजर के साथ की थी। लेकिन मेरी बेटी ससुराल में खुश नहीं थी। उसे परेशान किया जाता था। उन्होंने

भावुक होकर कहा- अगर मेरी बेटी शादी के बाद खुश नहीं थी, तो उसे खुश रखना मेरा फर्ज है। मैंने कोई एलीमनी या सामान नहीं लिया। सिर्फ अपनी बेटी को वापस घर लाया हूं। पति और परिवार के लोग उसे प्रताड़ित करने लगे। इस दौरान उसका एक बेटा भी हुआ। लेकिन बच्चे के जन्म के बाद भी हालात नहीं बदले।

> रिटायर्ड जज ज्ञानेंद्र शर्मा ने बताया- मेरी बेटी प्रणिता शर्मा की शादी 14 दिसंबर, 2018 को शाहजहांपुर के आर्मी के मेजर गौरव अग्निहोत्री से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वालों का व्यवहार ठीक नहीं रहा।

पिता बोले- मेरी बेटी है, कोई सामान नहीं

पिता ज्ञानेंद्र शर्मा ने कहा कि अगर मेरी बेटी शादी में दुखी थी, तो उसे खुशी देना मेरा दायित्व था। बेटी शादी में बाजे-गाजे के साथ विदा हुई थी। आज मैं उसे उसी सम्मान के साथ वापस लेकर आया हूं। मैंने उन लोगों से कोई एलीमनी या सामान नहीं लिया है। उन्होंने समाज को संदेश दिया कि बेटी को भी बेटे की तरह परिवार का बराबर सदस्य मानना चाहिए। समाज में अब भी यह सोच है कि बेटी की डोली जाती है, तो अर्थी ही लौटनी चाहिए। इस सोच में थोड़ा बदलाव आया है, लेकिन असली बदलाव अभी बाकी है।

पृष्ठ 01 का शेष...

होर्मुज खोलो...

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया है। ईरान में इंटरनेट शटडाउन दुनिया का सबसे लंबा राष्ट्रीय ब्लैकआउट बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 37 दिनों यानी 864 घंटे से इंटरनेट बंद है। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्था नेटब्लॉक्स ने कहा कि यह किसी भी देश का अब तक का सबसे लंबा नेशन-वाइड इंटरनेट शटडाउन है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने पहले वैश्विक इंटरनेट कनेक्टिविटी रखी, लेकिन बाद में खुद को अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से काटकर नेशनल नेटवर्क तक सीमित कर लिया। यह फैसला US और इजराइल के हमलों के बाद लिया गया, जिसके बाद सरकार ने इंटरनेट एक्सेस पर सख्त नियंत्रण लागू किया। इससे पहले जनवरी में विरोध प्रदर्शनों के दौरान देश में कई हफ्तों तक इंटरनेट बंद रहा था, लेकिन मौजूदा शटडाउन उससे भी लंबा हो गया है। दक्षिणी लेबनान के सिडोन इलाके के कफर हट्टा में इजराइली एयर स्ट्राइक में 7 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सरकारी नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मृतकों में एक 4 साल की बच्ची भी शामिल है। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में राजधानी बेरूत समेत कई इलाकों में बमबारी की हैं। इन हमलों से कई इमारतें तबाह हो गई हैं। मलबे में बदली इमारतें की कई तस्वीरें सामने आई हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 2 मार्च से जारी हमलों में अब तक 1422 लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइल का कहना है कि वह हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बना रहा है। इजराइल ने दावा किया है कि उसने पिछले 24 घंटे में ईरान के 120 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं।

गाजी मियां...

कलाकारों और छात्रों को सम्मानित किया। 'रंगभेद' पत्रिका का विमोचन किया। योगी ने कहा- हमारी समस्या क्या है? हम अपने नायकों को सम्मान देने पर परहेज करते हैं। यही कारण है कि एक वक्त समाज के नायकों को खलनायक के रूप में पेश किया गया। खलनायकों को हीरो बताया गया। इसका परिणाम हुआ कि समाज में उसी तरह के चरित्र सामने आते दिखाई दिए। योगी ने फिल्म 'धुरंधर' और विपक्षी नेताओं का नाम लिए बिना कहा- एक समय हमारे संस्थानों पर ऐसे लोगों को कब्जा हो गया था। जो पेशवर गुंडे-माफिया को नायक को रूप में पेश करते थे। आज सिनेमा सच्चाई दिखा रहा है। आज सिनेमा अच्छा करने की कोशिश कर रहा है। समाज भी उस अच्छाई को वैसे ही देख रहा है। समाज की संवेदनाएं देखनी है तो रामायण सीरियल को ले लीजिए। दुनिया का सबसे लोकप्रिय सीरियल रामायण ही है।

टीएमसी के पापों...

कूचबिहार में चुनावी रैली के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने समर्थकों से पूछा कि महिलाए और युवा वोट देंगे? जिसपर कार्यकर्ताओं ने कहा कि सब वोट करेंगे। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुवाहाटी के पाथर क्वारी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो असम कभी पिछड़ा माना जाता था, वह आज विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में जो विकास हुआ, उसे मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जमीन तक पहुंचाया है और विकास की नई कहानी लिखी है। अब असम एक विकसित राज्य के रूप में आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तुष्टिकरण के इस खेल में बंगाल की महान पहचान को बदला जा रहा है। अभी TMC ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है, लेकिन उसका नाम उन्होंने बांग्ला भाषा में नहीं रखा, बल्कि उसे इश्तेहार कहा जा रहा है। सोचिए कि कैसे पश्चिम बंगाल की पहचान को बदल रहे हैं। आप जानते हैं कि इश्तेहार का इस्तेमाल बंगाल में किसलिए हुआ था। 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी हमें उसी की याद दिलाना चाहती है। आपको भूलना नहीं है कि यहां निर्मम सरकार में खुलेआम धमकी दी जा रही है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे।

मोहन भागवत...

कि वे शायद किसी के पक्ष में खड़े हैं। शंकराचार्य ने कहा कि युद्ध पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का क्या रिएक्शन रहा। इस पर मैं कुछ भी नहीं कहना चाहूंगा, लेकिन एक विद्वान का ये दायित्व होता है कि उसे बताना चाहिए कि ये व्यक्ति अन्याय कर रहा है और ये व्यक्ति अन्याय सह रहा है, क्योंकि युद्ध में दोनों अच्छे पक्ष नहीं हो सकते है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री खुलकर यहूदियों के पक्ष में हैं। यह बात हमें चिंता में डालती है।

देश में एलपीजी...

मंत्रालय ने आगे कहा कि पांच किलो वाले छोटे एलपीजी सिलिंडर वितरकों के पास मौजूद हैं और कोई वैध पहचान पत्र दिखाकर, इन्हें हासिल किया जा सकता है। देश में पीएनजी को बढ़ावा दिया जा रहा है। मार्च से अब तक 3.9 लाख से अधिक पीएनजी के नए पंजीकरण हो चुके हैं और 3.6 लाख नए पीएनजी कनेक्शन को गैस की आपूर्ति दी गई है। राज्यों को घरेलू और व्यावसायिक दोनों उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन की सुविधा प्रदान करने की सलाह दी गई है। मंत्रालय के अनुसार, सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, दो युवकों की मौत

चार लोग गंभीर रूप से घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

बलरामपुर। यूपी के बलरामपुर में शनिवार आधी रात करीब 1.30 बजे तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भागकर पहुंचे। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तुलसीपुर थाना क्षेत्र के चयपुरवा गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज गति से तुलसीपुर की ओर जा रही थी। पुलिया के समीप चालक अचानक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। कार डिवाइडर से जा भिड़ी। कार सवार युवक अंदर फंसे हुए थे। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। साथ ही घायलों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। हादसे में कार चालक आदिल पुत्र शफीक (21)

निवासी पुरानी बाजार पचपेड़वा तथा अफरोज पुत्र भोला (20) निवासी जगदीशपुर पचपेड़वा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, कार में सवार चार अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकलवाया। एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल भेजा। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676